



संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी हमारे देश में सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह विविधता में एकता की परिचायक है। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान हिंदी ने सभी को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया था। आजादी के बाद संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया था। इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भाषा शासन और प्रशासन के बीच संवाद की मजबूत कड़ी का काम करती है। कोई भी देश अपनी भाषा के बिना अधूरा है, उसके बिना विकास की कल्पना तक नहीं की जा सकती। हिंदी अत्यंत सरल, बोधगम्य एवं वैज्ञानिक भाषा है। यह जैसी बोली जाती है, वैसी ही लिखी जाती है। इसमें सभी भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करने की क्षमता है। आज के वैश्वीकरण और कंप्यूटरीकरण के युग में हिंदी अपने देश में ही नहीं, विदेश में भी अपना स्थान बना रही है। विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग कर रही हैं। ऑनलाइन व्यापार करने वाली कंपनियां हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दे रही हैं। वे अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

वस्त्र मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालय देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं जहां विभिन्न प्रकार की भाषाएं तथा बोलियां बोली जाती हैं और हिंदी उनमें सर्वोपरि है। इसलिए हमें समस्त सरकारी कार्य राजभाषा हिंदी में करते हुए हिंदी के प्रचार प्रसार पर जोर देना चाहिए। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करके ही हम अपने देश को आत्म निर्भर और दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने योग्य बना सकते हैं। चूंकि, वस्त्र क्षेत्र देश के आम नागरिकों से जुड़ा हुआ है जिनमें से अधिकांश लोग हिंदी को बोलने और समझने वाले हैं, इसलिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रचार, विज्ञापन, पत्राचार आदि हिंदी भाषा में करके ही इनका लाभ हम उन तक पहुंचा सकते हैं। सबके साथ, सबके प्रयास से ही सबका विकास किया जा सकता है।

मेरी वस्त्र मंत्रालय एवं इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों/सार्वजनिक उपक्रमों/बोर्डों आदि में कार्यरत सभी अधिकारियों, विशेष रूप से वरिष्ठ अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस के इस पुनीत अवसर पर यह संकल्प लें कि वे अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करेंगे।

दर्शना जरदोश.

(दर्शना जरदोश)

14 सितंबर, 2021